संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -301 सोमवार,02 सितम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

दैनिक घटती घटना कलम बंद

सरगुजा कलेक्टर किसके दबाव में कर रहे हैं काम

नियम विरूद्ध बुलडोजर कार्यवाही करवाने क्यों मजबूर हुये कलेक्टर बिलास भोसकर

अपील के अधिकार से वंचित कर कुछ घंटो में ही क्यों उजाड़ दिया आशियाना

पूछकर बताईये कलेक्टर सरगुजा क्या छापें ?

सरकार ने हक छीना... कलेक्टर ने अपील का अधिकार छीना...

इंकलाब होता रहेगा... इंसाफ तक... कलम बंद का 62 वां दिन

दो अनमोल रतन एक है संजय,तो दूसरा प्रिंस

इस समय दो अनमोल रतन बने हुए हैं दोनों के ऊपर गंभीर आरोप होने के बावजूद कार्यवाही में विलंब कुछ ऐसा ही इशारा करता हैं...

कौन सी खबर प्रकाशित करें...

छत्तीसगढ़ सरकार

आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं विभाग में कितनी कमियां हैं यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें यह आप ही तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कमियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

60 दिन के इंतजार के बाद विज्ञापन किया गया बहाल...

बाकी मांगों पर भी...विचार करे सरकार...

-विशेष संवाददाता-

अम्बिकापुर,01 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ प्रदेश के सरगुजा अंचल से प्रकाशित होने वाले दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र का विज्ञापन 60 दिन बाद बहाल हो गया है...कलम की स्वतंत्रता पर विचार किया गया...जिसके लिए अखबार भी हृदय से आभार व्यक्त करता है। जनसंपर्क विभाग अखबार को हुए नुकसान व अन्य मांगों पर भी सरकार करे विचार...ताकि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की स्वतंत्रता रहे बरकरार...दैनिक घटती-घटना खबर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की स्वतंत्रता बरकरार रहे...इसलिए अपना कलम बंद रखा है। कलम बंद अभियान को सरकार ने तवज्जो दिया और जनसंपर्क विभाग ने पुनः विज्ञापन बहाल कर दिया है। जनसंपर्क विभाग के सह आयुक्त मयंक श्रीवास्तव ने अखबार की मांगों को जायज समझा और उनके अधिकारों पर विचार किया...यह एक लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के लिए एक बड़ी उपलब्धि है...और यह जनसंपर्क विभाग की एक तरह से संवेदनशीलता ही है...जो उन्होंने यह माना की कहीं-कहीं समाचार-पत्र का विरोध जायज था और उसने कलम बंद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को स्वतंत्र रखने के लिए किया था। अब शासन सहित जन संपर्क विभाग से अपेक्षा है कि वह दैनिक घटती-घटना के नुकसान को लेकर भी विचार करे...जिससे वह स्वतंत्र लेखनी से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की भूमिका बखूबी निभा सके। 60 दिनों बाद ही सही,शासन सहित जन संपर्क विभाग ने जो संवेदनशीलता दिखाई है वही संवेदनशीलता एक और बार वह दिखाए...और प्रेस कार्यालय को पुनः स्थापित होने में वह सहयोग प्रदान करें। शासन और जन संपर्क विभाग का आभार व्यक्त करते हुए दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र समूह यह उम्मीद रखता है कि जनसंपर्क विभाग छत्तीसगढ़ शासन,साथ ही शासन के वह अंग जो प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर संवेदनशील हैं वह जरूर दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र समूह के नुकसान की भी भरपाई का प्रयास जरूर करेंगे। वैसे इसी तरह की संवेदनशीलता यदि शासन सहित जनसंपर्क विभाग की लगातार बनी रहती है और समाचार-पत्र के नुकसान को लेकर भी यदि सहानुभूति पूर्वक विचार किया जाता है तो अवश्य ही जल्द कलम बंद अभियान भी बंद हो जायेगा साथ ही समाचार-पत्र अपनी स्वतंत्र लेखनी जारी रख सकेगी।

दैनिक घटती घटना

खुला पत्र

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

- क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?
- क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?
- देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?
- क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?
- क्या भाजपा के भ्रष्टाचारी नेता इसलिए हैं पाक-साफ क्योंकि वह हैं भाजपा के पदाधिकारी ?

कलम बंद... कलम बंद...

स्वास्थ्य मंत्री जी...क्या हो रहा है आपके प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर क्यों बेहाल है विभाग?

क्या छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री प्रदेश के लिए बन गए हैं पनौती...कहीं डायरिया का प्रकोप...तो कहीं मलेरिया का प्रकोप...अब आया स्वाइन फ्लू का प्रकोप...कैसे सम्हालेंगे प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था...?

- » ऐसे में कैसे चलेगा स्वास्थ्य मंत्री जी विभाग... ट्रांसफर-पोस्टिंग छोड़िए, व्यवस्था सुधारिए...
- » स्वास्थ्य मंत्री के विभाग में बजट को लेकर आपस में भिड़े अफसर...
- » एनएचएम संचालक को मिलता है स्वास्थ्य मंत्री का भरपूर सहयोग...इसलिए अन्य अफसर को तवज्जो नहीं देते संचालक...
- » स्वास्थ्य मंत्री बनते ही... श्याम बिहारी जायसवाल के छवि में आई गरावट... व्यवस्था बनी परेशानी...

-रवि सिंह-
रायपुर,01 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश का मनेन्द्रगढ़ विधानसभा दो नंबर विधानसभा कहलाता है। यहां के विधायक हैं...भाजपा के श्याम बिहारी जायसवाल...जो दूसरी बार के विधायक हैं जिन्हें सत्ता वापसी के दौरान प्रदेश का स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया...पर स्वास्थ्य मंत्री बनते ही...प्रदेश के लिए पनौती साबित हो रहे हैं स्वास्थ्य मंत्री जी...वह जब से स्वास्थ्य मंत्री बने हैं...तब से उनकी छवि में भी गिरावट आई है...उनके स्वास्थ्य मंत्री बनने से लेकर अभी तक की स्थिति पर यदि नजर डाला जाए...तो प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था सुधरी तो नहीं...पर व्यवस्था का ग्राफ जरूर गिरा है...। यह हम नहीं कह रहे यह अब उनके जिले से लेकर प्रदेश की जनता भी कहने लगी है। सारे अखबार व चैनल भी कहने लगे हैं क्योंकि उनके व्यवस्थाओं को लेकर सबसे ज्यादा यदि कमियां है...जिस वजह से आज खबरों की भी भरमार है...श्याम बिहारी जायसवाल जब जीत कर भाजपा के विधायक बने तो उन्हें भी इस बात का अंदाजा नही था कि मंत्रिमंडल में उन्हें जगह मिलेगा। जब उन्हें मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री की जगह मिली और साथ ही सबसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य विभाग मिला तो लोगों को लगा कि शायद कुछ बेहतर करेंगे और स्वास्थ्य के लिए अच्छा काम होगा पर सिर्फ लोगों का यह सपना ही रहा...सारी चीज इसकी उलट रही...जैसे ही उन्हें स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया वह पहले तो अपने ओबेसिटी और अपने पास रखने वाले कर्मचारियों को लेकर सुर्खियों में आए... काफी जल्दी तत्परता दिखाई सबसे पहले अपने कर्मचारियों व ओएसडी की नियुक्ति करने वाले कैबिनेट मंत्री वही रहे उसके बाद भाजपा विरोधियों को अपने साथ रखा। फर्जी प्रमाण-पत्र वालों को अपने करीब रखा,अब उनके प्रदेश में उनके स्वास्थ्य मंत्री रहते ही प्रदेश को भी पनौती लग गई है...ऐसा माना जा रहा है क्योंकि इनका मंत्री बनने की अवधि 8 से 9 महीने की है...पर इस 8 से 9 महीने में प्रदेश कभी डायरिया से तो कभी मलेरिया से और अब तो स्वाइन फ्लू जैसे संक्रमण के कब्जे में है। ऐसे में प्रदेश विश्वास व्यवस्था लाचार हो गई है। डॉक्टर ज्वाइन नहीं कर रहे और उनके विभाग के अफसर आपस में ही भिड़ रहे हैं...इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि स्वास्थ्य विभाग इस समय प्रदेश के लिए सिर्फ दिखावा तक ही रह गया है। प्रदेश में 9 मंत्री है...पर स्वास्थ्य विभाग का ही एक ऐसा विभाग है...जो इस समय सुर्खियों में है...। एक और नया मामला आपके सामने आ गया जहां टीके की वजह से पांच बच्चों की जान चली गई...और मामले में अभी तक संज्ञान नहीं लिया...और ना हीं परिजनों तक पहुंचे...ऐसे में कैसे चलेगा स्वास्थ्य मंत्री जी...आपका विभाग?

वर्तमान से पहले पूर्व स्वास्थ्य मंत्री पहुंचे... टीके से होने वाले बच्चों की मौत मामले में...

·वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री से पहले पूर्व स्वास्थ्य मंत्री वहां पहले पहुंच गए जहां टीकाकरण पश्चात बच्चों की मौत हुई है। बिलासपुर के कोटा से यह मामला सामने आया जहां पूर्व स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव पहुंचे और उन्होंने टीके की बैच को सील करने की हिदायत स्वास्थ्य विभाग को दे डाली। बता दें कि...अभी तक वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री वहां नहीं पहुंचे हैं...और वह मामले में कोई सक्रियता भी नहीं दिखाए हैं...और न ही उन्होंने इस मामले में कोई निर्देश जारी किया है।

स्वास्थ्य मंत्री के प्रभार जिले में डायरिया पीड़ितों की बाढ़...

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री का प्रभार जिला बलौदा बाजार आजकल डायरिया प्रभावित जिला बन गया है। उनके प्रभार जिले में डायरिया के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और मरीजों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। स्वास्थ्य विभाग मरीजों की संख्या घटा पाने में असमर्थ साबित हो रहा है और यह कहा जा सकता है की जब प्रभार जिले का हाल बेहाल है तो पूरे प्रदेश का हाल समझा जा सकता है।

डायरिया व मलेरिया के संक्रमण के बाद अब स्वाइन फ्लू की दस्तक...

प्रदेश में डायरिया साथ ही मलेरिया का संक्रमण जहां पांव पसार रहा है...वहीं अब स्वाइन फ्लू से भी प्रदेश में जाने जा रही हैं। स्वाइन फ्लू से लगातार मरीज संक्रमित हो रहे हैं और उनकी जाने जा रही हैं। बता दें कि जो मलेरिया कई वर्षों से विलुप्त बीमारी हो चुकी थी...वह फिर से फैल रही है या जन्म ले चुकी है...वरना कई वर्षों से लोग मलेरिया नाम की बीमारी भूल चुके थे। वैसे वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री का कार्यकाल प्रदेश में स्वास्थ्य मामले में पनौती वाला ही साबित हो रहा है....और यह कहना गलत नही होगा कि जिस हिसाब से वह या उनके नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग काम कर रहा है प्रदेश बीमार ही हो रहा है स्वस्थ होने की बजाए...।

एनएचएम की कार्यकारिणी समिति की बैठक में बजट को लेकर हुआ था विवाद...

एनएचएम की कार्यकारणी समिति की बैठक में दो अफसरों का विवाद हुआ था यह बात प्रदेश में काफी सुर्खियां बटोर गई थी क्योंकि मामला स्वास्थ्य विभाग के बजट से जुड़ा था जहां बजट के लिए दो अधिकारी लड़ गए थे बैठक में और बाद में जब बात बाहर निकली दोनों की सफाई सामने आई थी। बताया जाता है कि एन एचएम के लिए मंत्री जी का काफी मोह है और यही वजह है कि बजट के लिए अधिकारी आपस में भिड़ गए थे जिनमे एक अधिकारी एनएचएम के थे।

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान का...62 वां दिन

कलम बंद...का 62 वां दिन

कलम बंद...का 62 वां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें जिससे आप खुश रहें...

अम्बिकापुर,01 सितम्बर 2024(घटती-घटना)। सरकार की जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आप ही तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उस कमियों को दूर करने के बजाय आप अखबार के पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही तो...फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

बुलडोजर कार्यवाही कर संतुष्ट हुए सरगुजा कलेक्टर

विलास भोसकर जी अब पूछ दीजिए कि क्या छापें

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध?

अम्बिकापुर,01 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें?

क्या छापें माननीय प्रधानमंत्री जी?

कलम बंद...का 62 वां दिन

?

कलम बंद...का 62 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

C M Y K

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,01 सितम्बर 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

अब आप ही पूछकर बताईए कलेक्टर सरगुजा विलास भोसकर साहब...कि क्या छापें?

?

कलम बंद...का 62 वां दिन

कलम बंद...का 62 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

C M Y K

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर ,01 सितम्बर 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

राष्ट्रपति महोदया,आखिर छापें क्या ?

कलम बंद...का 62 वां दिन

कलम बंद...का 62 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

समित द्रविड़ ने 19 टीम में सेलेक्शन होने पर कही ये बात

नई दिल्ली,01 सितम्बर 2024। भारतीय अंडर-19 टीम ऑस्ट्रेलियाई अंडर 19 टीम के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर तीन वनडे और चार दिवसीय मैच खेलेगी। इसके लिए बीसीसीआई ने भारतीय अंडर-19 टीम का ऐलान कर दिया है, जिसमें भारतीय टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ को मौका मिला है। समित इस समय महाराजा टी20 ट्रॉफी में मैसरु वॉरियर्स की तरफ से खेल रहे हैं। इससे पहले उन्होंने कूच बिहार ट्रॉफी में सेलेक्टर्स को अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। वह अपने ऑलराउंड स्किल के दम पर टीम को मुकाबला जिताने की काबिलियत रखते हैं।

स्टार स्पोर्ट्स कन्नड़ पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें समित द्रविड़ बोलते हुए नजर आते हैं। उन्होंने अपने सेलेक्शन पर कहा कि मुझे अपने अंडर 19 टीम में चुने जाने पर काफी खुशी है। मेरे टीम में जगह बनाने पर दी गई शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, मैंने इस पल के लिए कड़ी मेहनत की थी।

समित द्रविड़ ने कहा कि क्रिकेट एक प्रोसेस है। मेरे चयन का प्रोसेस पिछले कुछ सालों से चल रहा था। मैं सपना जी रहा हूं। मैं बहुत खुश हूं कि मेरा नाम तीन और कर्नाटक प्लेयर के साथ टीम में आ गया है।

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से पहले रोहित शर्मा की जबरदस्त तैयारी

नई दिल्ली,01 सितम्बर 2024। श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद भारतीय क्रिकेट टीम आराम कर रही थी, लेकिन अब बांग्लादेश टीम के इसी महीने भारत दौरे के लिए उन्होंने तैयारी शुरू कर दी है। इस दौरे में दोनों टीमों के बीच 2 टेस्ट और 3 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले जाएंगे। इस अहम सीरीज की शुरुआत 19 सितंबर से होगी, जिसमें पहला टेस्ट मैच चेन्नई में और दूसरा कानपुर के ग्रीन पार्क में खेला जाएगा।

रोहित शर्मा की तैयारी

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने इस सीरीज के लिए अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है, जिसमें वे पार्क में ट्रेनिंग करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में दौड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो को देखकर लग रहा है कि ये किसी शूट का हिस्सा भी हो सकता है, लेकिन यह भी संभव है कि रोहित अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हों। रोहित शर्मा इस दौरान काफी मेहनत कर रहे हैं।

टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

बांग्लादेश की टीम अगले महीने के तीसरे हफ्ते में भारत पहुंचेगी, और 19 सितंबर से 1 अक्टूबर तक टेस्ट सीरीज चलेगी। पहला टेस्ट मैच 19 से 23 सितंबर के बीच चेन्नई में और दूसरा 27 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। इस सीरीज का

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के नजरिए से काफी महत्व है, और दोनों ही टीमों के लिए यह सीरीज महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

रोहित शर्मा का बतौर कप्तान प्रदर्शन

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने अब तक 16 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें से 10 मैचों में टीम ने जीत हासिल की है, 4 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है और 2 मैच ड्रॉ रहे हैं। इस प्रकार, टेस्ट मैचों में बतौर कप्तान रोहित का जीत प्रतिशत 71.42 प्रतिशत है, जो उन्हें एक सफल कप्तान के रूप में स्थापित करता है।

सचिन तेंदुलकर के टेस्ट रिकॉर्ड तोड़ने पर बोले जो रूट,कहा-मैं बस खेलना चाहता हूं...

लंदन,01 सितम्बर 2024। इंग्लैंड के बैटर जो रूट इस वक्त शानदार फॉर्म में चल रहे। श्रीलंका के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट की दूसरी पारी में भी शतक ठोका और वो सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा टेस्ट रन के रिकॉर्ड के करीब पहुंचते दिख रहे। लॉर्ड्स टेस्ट में लगातार दो शतक ठोकने के बाद रूट 12377 रन के साथ ऑल टाइम लिस्ट में 7 वें पायदान पर पहुंच गए। टॉप पर बैठे सचिन तेंदुलकर और रूट के बीच करीब साढ़े तीन हजार रन का फासला है। अगर ईस तरह रूट बल्लेबाजी करते रहे तो वह सचिन के रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट की दूसरी पारी में शतक ठोकने के बाद जो रूट से जब ये सवाल किया गया कि क्या उनकी नजर सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा टेस्ट रन के रिकॉर्ड पर है तो उन्होंने कहा कि फिलहाल उनकी कोशिश ज्यादा से ज्यादा रन बनाने की है और वो टीम की जीत में योगदान देना चाहते हैं।

इंग्लैंड क्रिकेट ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने कहा कि, मैं बस खेलना चाहता हूं, और कोशिश करना चाहता हूं और टीम के लिए अपना काम करना चाहता हूं और जितना हो सके उतना रन बनाना चाहता हूं। साथ ही देखना चाहता हूं कि हम कहां पहुंचते हैं। लेकिन इससे बेहतर कोई एहसास नहीं है, मेरा मतलब है कि ये स्पष्ट रुप से आश्चर्यजनक है जब आप 100 रन बनाते हैं, आप झूठ बोलेंगे अगर आप कहते हैं कि आप इससे खुश नहीं है। आप क्रिकेट ही इसलिए खेलना शुरू करते हैं क्योंकि आप रन बनाना चाहते हैं।

मोहम्मद अमान बने भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान

नई दिल्ली,01 सितम्बर 2024। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए भारतीय अंडर-19 टीम का ऐलान कर दिया है। जहां उत्तर प्रदेश के मोहम्मद अमान को टीम का कप्तान बनाया गया है, साथ ही राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ को भी इस टीम में मौका मिला है। अमान का भारतीय अंडर-19 टीम का कप्तान बनने का सफर संघर्षों भरा रहा है। 16 साल की उम्र में ही उनके माता-पिता का निधन हो गया जिसके बाद उनके तीन छोटे भाई बहनों की जिम्मेदारी उनपर आ गई।

अमान के सिर से माता-पाति का साया छिनने के बाद वो अनाथ हो गए। इतनी कम उम्र में मिला ये गम किसी को भी तोड़ने के लिए काफी होता है। लेकिन अमान ने हिम्मत नहीं हारी और अपने क्रिकेट के सपने को न सिर्फ पूरा किया, बल्कि भारतीय अंडर-19 वनडे क्रिकेट टीम के कप्तान भी चुने गए।

माता-पिता के निधन के बाद अमान के पास दो ही रास्ते थे या तो क्रिकेट खेलना जारी रखें या अपने सपने को छोड़कर परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए कोई छोटी- मोटी नौकरी करें। लेकिन मजबूत इच्छाशक्ति और संघर्ष का जज्बा काम आए और आज वो भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम के कप्तान बने, जो अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चार दिवसीय मैच भी खेलेगी।

एलेक्सी पोपिरिन,जैंड्सचुल्प और रोलांड-गैरोस यूएस ओपन जीतने के दावेदार

सार्बिया,01 सितम्बर 2024। एलेक्सी पोपिरिन और बोटिक वैन डे जैंड्सचुल्प ने यूएस ओपन 2024 में सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए मेंस सिंगल खिताब की दौड़ को और भी दिलचस्प बना दिया है। पोपिरिन ने तीसरे राउंड में खिताब के प्रबल दावेदार नोवाक जोकोविच को चौंका दिया और बोटिक ने दूसरे राउंड में दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को हराकर सीजन के आखिरी मेजर में चीजें दिलचस्प बना दीं।

सिनर के पास यूएस ओपन जीतने का मौका

इस साल रोलांड-गैरोस और विंबलडन के विजेता अल्काराज को दुनिया के 74वें नंबर के खिलाड़ी बोटिक के खिलाफ 1-6, 5-7, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा। अल्काराज के बाहर होने से जोकोविच के रिकॉर्ड 25 ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की संभावना बढ़ गई थी, लेकिन सर्बियाई दिग्गज को भी हार का सामना करना पड़ा। जोकोविच और अल्काराज दोनों के बाहर होने के बाद, मेंस सिंगल खिताब की दौड़ पूरी तरह से खुली हुई है, जिसमें जैनिक सिनर स्पष्ट पसंदीदा बनकर उभरे हैं। वर्ल्ड नंबर 1 सिनर ने अपने पहले दो मैचों में दो प्रमुख जीत दर्ज की और तीसरे दौर में उन्हें गैर-वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलियाई क्रिस्टोफर ओकॉनेल के खिलाफ आसान मुकाबला करना होगा।

सिनर ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था और फ्रेंच ओपन 2024 के सेमीफाइनल में भी पहुंचे। इतालवी स्टार ने इस महीने की शुरुआत में सिनसिनाटी ओपन का खिताब भी जीता, जिससे यूएस ओपन में उनकी खिताबी जीत की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

हरमनप्रीत कौर डब्ल्यूबीबीएल के प्लेयर ड्रॉफ्ट में रहीं अनसोल्ड

नई दिल्ली,01 सितम्बर 2024। ऑस्ट्रेलिया की फ्रेंचाइजी आधारित विमंस बिग बैश टी20 लीग का आगाज 27 अक्टूबर से होगा और फाइनल मुकाबला एक दिसंबर को खेला जाएगा। इसके लिए एक सितंबर को प्लेयर ड्रॉफ्ट प्रक्रिया का आयोजन किया गया जिसमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कई स्टार खिलाड़ी भी शामिल थी। इसमें एक नाम मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत कौर का भी था जिन्होंने मेलबर्न रेनेगेड्स की तरफ से कई सीजन इस टी20 लीग में खेले हैं, लेकिन इस बार किसी भी फ्रेंचाइजी ने उन्हें अपनी टीम का हिस्सा नहीं बनाया जो सभी के लिए एक चौंकाने वाला फैसला जरूर है। वहीं भारतीय महिला टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना के अलावा यास्तिका भाटिया और डायलना हेमलता आगामी सीजन में जरूर खेलते हुए दिखाई देंगी।

यास्तिका और डायलना पहली बार विमंस बिग बैश लीग का बनी हिस्सा

स्मृति मंधाना जहां एकबार फिर से एडिलेड स्ट्राइकर्स टीम की तरफ से खेलते हुए दिखाई देंगी तो वहीं दीप्ति शर्मा मेलबर्न स्टार्स टीम का हिस्सा हैं। भारतीय महिला टीम की युवा विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया पहली बार विमंस बिग बैश लीग का हिस्सा बनी हैं, जिसमें उन्हें मेलबर्न स्टार्स की टीम से खेलने का मौका मिलेगा।

एशियाई संघ ने आईबीए के पक्ष में मतदान किया

» मुक्केबाजी का भविष्य अधर में लटका

यूएई,01 सितम्बर 2024। मुक्केबाजी का ओलंपिक में भविष्य पहले ही अधर में लटका है और अब इस खेल की एशियाई संचालन संस्था ने निलंबित अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) के पक्ष में मतदान करके उसकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। गुप्त मतदान के जरिए किए गए मतदान में 21 देशों ने आईबीए के साथ बने रहने के पक्ष में जबकि 14 देशों ने इस खेल के संचालन के लिए गठित की गई नई संस्था वर्ल्ड बॉक्सिंग में शामिल होने के पक्ष में मतदान किया।

भारत के अलावा जिन अन्य देशों ने मतदान में भाग लिया उनमें बहरीन, भूटान, ब्रूनेई, कंबोडिया, चीन, चीनी ताइपे, तिमोर लेस्ते, हांगकांग, इंडोनेशिया, ईरान, इराक, जापान, जॉर्डन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, लाओस, लेबनान, मकाऊ, मलेशिया, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, फिलिस्तीन, फिलीपींस, कतर, सऊदी अरब, सिंगापुर, श्रीलंका, सीरिया, ताजिकिस्तान, थाईलैंड, तुर्कमेनिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, वियतनाम और यमन शामिल थे।

भारत ने पर्यवेक्षक के रूप में भाग लिया। आईबीए का अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के साथ विवाद चल रहा है। आईओसी ने तोक्यो और पेरिस खेलों के लिए ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया की जिम्मेदारी संभाली थी। एशियाई मुक्केबाजी परिसंघ (एएसबीसी) का वर्ल्ड बॉक्सिंग में शामिल होने से इनकार करने के इस फैसले के बाद लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में मुक्केबाजी को शामिल करने को लेकर परेशानियां बढ़ गई हैं।

मतदान के बाद आईबीए ने वर्ल्ड बॉक्सिंग पर निशाना साधते हुए कहा कि नई संस्था के पास प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित करने के लिए साधन की कमी है। आईबीए ने एक बयान में कहा, ''वर्ल्ड बॉक्सिंग के पास प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए किसी तरह का वित्त, विशेषज्ञता और समर्थन नहीं है। उनका मुक्केबाजी को आगे बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है।''एशियाई संस्था के समर्थन का स्वागत करते हुए आईबीए ने कहा कि इससे पिछले कुछ वर्षों में उसके अच्छे कामकाज की पुष्टि होती है। बयान में कहा गया, ''यह निर्णय (एएसबीसी द्वारा) दुनिया भर में मुक्केबाजी के विकास के लिए की गई आईबीए की वर्षों की कड़ी मेहनत और आईबीए मुक्केबाजी परिवार की सच्ची एकता को दर्शाता है।'' आईबीए ने उन राष्ट्रीय महासंघों पर भी निशाना साधा जिन्होंने गुप्त मतदान के दौरान उसके खिलाफ मतदान किया था

दीपाली देशपांडेय ने खोला पेरिस ओलंपिक में भारतीय शूटर्स की सफलता का राज

नई दिल्ली,01 सितम्बर 2024। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय शूटर्स ने बेहद ही शानदार प्रदर्शन किया। मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद सरबजोत सिंह के साथ मिलकर मिक्स्ड टीम इवेंट में भी ब्रॉन्ज पर निशाना साधा. इस तरह मनु ने एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया। शूटिंग में तीसरा मेडल स्वप्निल कुसाले ने 50 मीटर पुरुष राइफल 3 पोजीशन में दिलाया। एक ओलंपिक गेम्स में भारतीय शूटर्स का इतना बेहतरीन प्रदर्शन आज से पहले कभी नहीं देखा गया था। ये कहानी वो है जो हम सबने देखी लेकिन एक कहानी ऐसी भी है जिससे ज्यादातर लोग अनजान है। पूर्व शूटर और कोच दीपाली देशपांडेय ने इंडिया टीवी के स्पोर्ट्स एडिटर समीप राजगुरु से एक्सक्लूसिव बातचीत में खुलासा किया कि कैसे पेरिस में भारतीय शूटर्स को मिली इतनी शानदार सफलता। दीपाली ने बताया किनेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के साथ साल 2012 में उनके सफर का आगाज। उन्हें जूनियर टीम का चीफ कोच बनाया गया जिसके बाद उनकी छत्रछाया में रहते हुए कई शूटर्स ने इंटरनेशनल लेवल पर तिरंगा फहराया।

फिर से रिलीज हो रहीं ये 3 बड़ी फिल्में

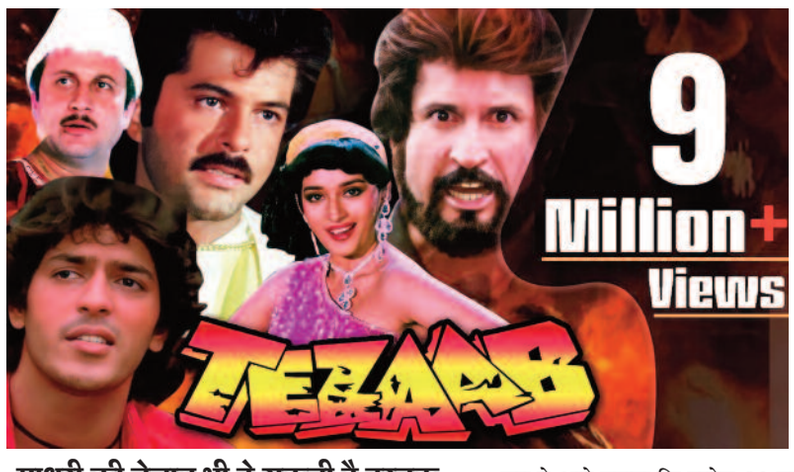

माधुरी की तेजाब भी दे सकती है दस्तक

थिएटर पिछले कुछ समय से भारी सूखे का सामना कर रहे हैं, जिससे मनोरंजन जगत में चिंता की लहर दौड़ गई है। इंडस्ट्री ने दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए रॉकस्टार के साथ दोबारा रिलीज की एक सीरीज शुरू की और यह कदम सौभाग्य से सफल रहा। इसके बाद मैंने प्यार किया, दंगल, राजा बाबू, लव आज कल, पार्टनर और हम आपके हैं कौन... सहित कई नए प्रीमियर हुए। इसी के साथ, फिर से कुछ फिल्मों सितंबर में दस्तक देनेवाली हैं। बॉलीवुड हंगामा की एक ताजा रिपोर्ट में सितंबर की री-रिलीज फिल्मों की लाइन-अप के बारे में बताया गया है और यह रोमांचक से भरपूर है। उनकी सूची में सबसे पहले हैं शाहरुख खान की फिल्में परदेस (1997) और वीर-जारा (2004) जो हमारे दिलों में अपनी जगह बनाने के लिए तैयार हैं। बीएच के सूत्र ने कहा, वीर-जारा 13 सितंबर को रिलीज होगी। इसके सिनेमाघरों में प्रतिदिन चुनिंदा शो होंगे और मांग के आधार पर शो बढ़ाए जाएंगे।उनके सूत्र ने आगे बताया कि परदेस 20 या 27 सितंबर को रिलीज होने की उम्मीद है और उसी के बारे में एक आधिकारिक घोषणा इसकी रिलीज की तारीख की पुष्टि करेगी। महिमा चौधरी और अपूर्वा अग्निहोत्री की परदेस सुभाष घई की निर्देशित फिल्म है। अनुभवी फिल्ममेकर की दूसरी फिल्म ताल (1999) भी 20 सितंबर को वापसी करेगी। इसमें अक्षय खन्ना, अनिल कपूर और ऐश्वर्या राय बच्चन ने लीड रोल्स किए थे।रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि फैंस माधुरी दीक्षित को उनके गाने एक दो तीन पर थिरकते हुए देखने की उम्मीद कर सकते हैं। बीएच के सूत्र ने कहा, जी स्टूडियोज भी अगले महीने की दूसरी छमाही में तेजाब को फिर से रिलीज करने पर गंभीरता से विचार कर रहा है।

ब्वॉयफ्रेंड के निधन के बाद बुलाया गया चुड़ैल,एक्ट्रेस ने बयां किया दिल का दर्द,बोलीं-बहुत गुस्से में थी

सुशांत सिंह राजपूत ने जून 2020 में इस दुनिया को अलविदा कह दिया था। इस खबर ने हर किसी को हैरानी में डाल दिया था। अभिनेता मुंबई के बांद्रा स्थित आवास में 14 जून 2020 को मृत पाए गए थे। सुशांत के निधन ने उनके परिवार को ही नहीं पूरे देश को एक बड़ा झटका दिया था। हर तरफ दिवंगत अभिनेता के लिए न्याय की मांग होने लगी। एक्टर के निधन के बाद उनकी गर्लफ्रेंड और अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को भी काफी मुश्किल समय से गुजरना पड़ा। उन दिनों सुशांत की मौत के आरोप में अभिनेत्री को जेल भी जाना पड़ा और ड्रग्स सहित कई गंभीर आरोपों का सामना करना पड़ा। सोशल मीडिया पर भी रिया को खूब ट्रोल किया गया। उन्हें गोल्ड डिगर और चुड़ैल जैसे टैग दिए गए। जिस पर रिया ने हालिया इंटरव्यू में खुलकर बात की।

आर्थिक रूप से स्वतंत्र रहना चाहती थी- रिया चक्रवर्ती

ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे से बात करते हुए रिया चक्रवर्ती ने बताया कि कैसे सुशांत की मौत ने उन्हें व्यक्तिगत नुकसान पहुंचाया और कैसे वह इस चोट से बाहर निकलीं। रिया कहती हैं- मैं एक ऐसी इंसान थी, जो हर समय अपने काम का आनंद लेना चाहती थी। बिना किसी गोल के बस आर्थिक रूप से स्वतंत्र रहना चाहती थी। मैं कभी नहीं सोच सकती थी कि पूरा देश मेरे बारे में ऐसी राय रखेगा। अच्छा या बुरा तो भूल ही जाइये, एक स्टार के रूप में भी, कभी मेरी महत्वाकांक्षा नंबर 1 बनने की नहीं थी।

मेरा कोई लक्ष्य नहीं था-रिया चक्रवर्ती

एक कलाकार के तौर पर मैंने अपने काम का आनंद लेना शुरू कर दिया था। बस इतना ही था, मेरा कोई लक्ष्य नहीं था। जो आने वाला था, उसके लिए मैं बिलकुल भी तैयार नहीं थी। लोग मुझे चुड़ैल, काला जादू करने वाली और नागिन जैसे नामों से बुलाते हैं, लेकिन सच कहूं तो मुझे इन सब से अब कोई फर्क नहीं पड़ता। ये पहले मुझे परेशान करता था, लेकिन अब नहीं। मुझे नहीं लगा था कि जो कुछ हुआ उसके लिए मैं कभी माफ कर सकूंगी, लेकिन यही आसान तरीका था, क्योंकि मैं लंबे समय से बहुत ज्यादा गुस्से में थी।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202408020700068

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः-राजस्व,सन्:-2023-2024
अम्बिकापुर(प.ह.न.00015)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-देवेन्द्र कुमार प्रधान, सुनील कुमार प्रधान,रविन्द्र कुमार प्रधान
अनावेदक पक्षकार-रविन्द्र कुमार प्रधान, सुनील कुमार प्रधान,देवेन्द्र कुमार प्रधान

-:: ईश्तहार ::-

आवेदक सुनील कुमार प्रधान आ0 स्व0 मुरलीश्याम प्रधान,निवासी वार्ड क्रमांक 15, प्रेमाबाग, बैकुण्ठपुर ,तहसील बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नम्बर 40/2, 41/7 रकबा 0.004, 0.036 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/3 अंश में बंटवारा किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09.09.2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08.08.2024 को जारी किया जाता है।

उमेश्वर सिंह बैज
तहसीलदार
तहसील-अम्बिकापुर
सरगुजा(छ.ग.)

सील

छत्तीसगढ़ शासन

02 सितम्बर, 2024

विष्णु भैया संग
तीजा-पोरा
महतारी वंदन
तिहार

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

राज्य के 70 लाख
महतारी-बहिनी के
खाता म पहुँचिस
विष्णु भइया डहर ले
तीजा के
1000 रूपिया

सम्बाद् 41295/137

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय
से जुड़ने के लिए
QR CODE स्कैन करें

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)